अमर उजाला

बरेली
शुक्रवार, 12 नवंबर 2021
कार्तिक शुक्ल-नवमी
विक्रम संवत-2078

PAGE NO 9 : MIDDLE

नाटक 'श्री सच्चरित्र' ने दिया साईं बाबा की शिक्षा का संदेश

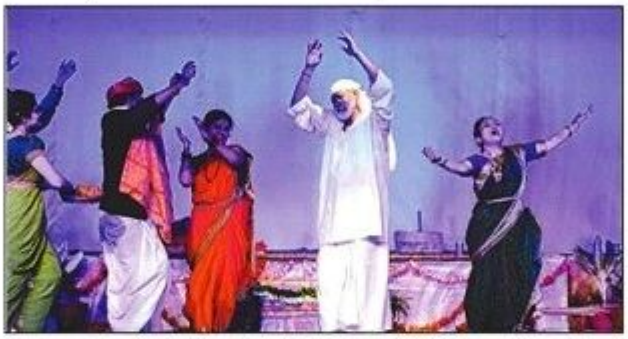

थिएटर फेस्टिवल में साईं सच्चरित्र नाटक का मंचन करते कलाकार।

बरेली। एसआरएमएस के ऑडिटोरियम रिद्धिमा में चल रहे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष के तीसरे दिन साईं बाबा की शिक्षाओं पर आधारित नाटक 'साईं सच्चरित्र' का मंचन किया गया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने नाटक के प्रमुख पात्र मुकुल नाग और नीता कुदेशिया को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

नाटक की शुरुआत साईं बाबा के बोध वाक्य 'सबका मालिक एक' से हुई। नाटक में दिखाया गया है कि बाबा के भक्त हेमाडपंत एक दिन बाबा की जीवनी लिखने की इच्छा लेकर उनके पास पहुंचे। इस पर साईं बाबा ने बड़ी सरलता से उनसे कहा- 'मेरी जीवनी लिखने से पहले तुझे अपने अंदर के अहंकार को खत्म करना होगा।' इसके बाद साईं बाबा की कहानी

रिद्धिमा में थिएटर फेस्टिवल का तीसरा दिन

शुरू होती है, जो नाटक में दृश्यों के साथ आगे बढ़ती है। अंत में उनके अंतर्यामी होने तक की जीवन यात्रा को दर्शाते हुए नाटक का समापन होता है।

नाटक में साईं बाबा की भूमिका को मुकुल नाग ने अपने सशक्त अभिनय से जीवंत कर दिया। इसके अलावा हेमाडपंत के किरदार में नरोत्तम बेन, बाईजा मां के किरदार में ममता कमलाकर पावसकर, सुंदरबाई की भूमिका में वंदना बोलकर, लक्ष्मी मां की भूमिका में पाखी नाग और तात्या का किरदार राजेंद्र सक्सेना ने बखूबी निभाया। कार्यक्रम में ट्रस्टी आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. रजनी अग्रवाल आदि मौजूद रहीं। संवाद